हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 136 | देहरादून, सोमवार 20 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

सिलक्यारा दुर्घटना लापरवाही और अनुभवहीनता का नतीजा : यशपाल आर्य 3

मुसीबत में फंसे श्रमिकों के परिजनों के साथ सरकार : मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग रेस्क्यू कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। पीएमओ के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सुरंग में फंसे सभी श्रमिकों को सकुशल निकालने के प्रयास में जुटी है। सुरंग में फंसे लोगों के रेस्क्यू के लिए देश और दुनिया में ईजाद की गई आधुनिक तकनीक की मदद ली जा रही है। उम्मीद हैं कि जल्द इसमें सफलता मिल जायेगी।

श्रमिकों और परिजनों के साथ सरकार खड़ी - धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के रेस्क्यू पर पल पल अपडेट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आज शासकीय आवास पर अधिकारियों के साथ श्रमिकों के बचाव के लिए चल रहे रेस्क्यू कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि रेस्क्यू ऑपरेशन में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए हर आवश्यक कदम उठाये जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी लगातार बचाव अभियान का अपडेट लिया जा रहा है। ऐसे में ग्राउंड जीरो पर जो भी रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है, अधिकारी एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर समय पर अंजाम तक पहुंचाएं। रेस्क्यू कार्य के लिए जिन संसाधनों की जरूरत हैं, उनको तत्काल एजेंसियों को मुहैया करा कर तेजी से कार्य कराएं। सरकार की प्राथमिकता में श्रमिकों को सुरक्षित और समय पर बाहर निकालना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुसीबत में फंसे श्रमिकों के परिजनों के साथ सरकार खड़ी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वह सभी परिजनों को रेस्क्यू की हर पल की जानकारी देते रहें। इसके अलावा सिलक्यारा पहुंचे परिजनों के लिए भी सहायता केंद्र खोलने और उनके रहने-खाने की जरूरत के हिसाब से मदद की जाए। उन्होंने कहा कि विपदा की इस घड़ी में परिजनों को धैर्य बनाये रखने की जरूरत है। सरकार हर वक्त उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग आपदा से निपटने के लिए देश और दुनिया में चले पुराने सुरंग रेस्क्यू के अनुभवों के आधार पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए अधिकारी पड़ोसी राज्य हिमचाल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर समेत दुनिया के कई देशों में सुरंग निर्माण और आपदा के बाद हुए रेस्क्यू की तकनीकी को अपना रहे हैं। पीर पंजाल, अटल सुरंग, भंवर टोंक, सँगलदान जैसी बड़ी सुरंग निर्माण और लूज गिरने के बाद रेस्क्यू की जानकारी जुटाई जा रही है। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगौली, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक ला एंड ऑर्डर ए.पी.अंशुमन, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी उपस्थित थे।

श्री बद्रीनाथ के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरखंड 19 नवंबर : श्री बद्रीनाथ जी के कपाट पूर्ण विधि विधान, वैदिक परम्परा एवं मंत्रोच्चारण के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। पंच पूजाओं के साथ शुरू हुई कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतिम दिन भगवान नारायण की विशेष पूजा अर्चना की गई। मुख्य पुजारी रावल जी द्वारा भगवान को घृत कम्बल पहनाने व स्त्री वेष धारण कर माता लक्ष्मी को बदरीनाथ मंदिर के गर्भगृह में विराजमान करने के पश्चात ही, मंदिर समिति के सदस्यों एवं सहस्त्रों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान श्री बद्री विशाल जी के कपाट इस वर्ष शीतकाल के लिए बंद किए गए। सेना के मधुर बैंड की भक्तिमय धुनों एवं जय बद्री विशाल के उद्घोष के साथ हजारों श्रद्धालु श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होने की अलौकिक बेला के साक्षी बने।

मुख्य पुजारी रावल श्री ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी ने इस वर्ष की अंतिम पूजा की। कपाट बंद होने का कार्यक्रम अत्यंत धार्मिक मान्यताओं व परम्पराओं के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे भाव भक्ति से भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए। कपाट बंद होने के पश्चात कल दिनांक 19 नवंबर को प्रातः भगवान श्री उद्धवजी एवं कुबेर जी

योगध्यान बदरी मंदिर पांडुकेश्वर तथा आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी श्री नृसिंह मंदिर स्थित गद्दीस्थल को प्रस्थान करेगी।

कपाट बन्द होने के दौरान पुलिस अधीक्षक चमोली श्रीमती रेखा यादव (IPS) महोदया स्वयं मौजूद रही। इस वर्ष दिनांक 27 अप्रैल 2023 को श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के पश्चात पुलिस अधीक्षक चमोली महोदया के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में चमोली पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं/पर्यटकों की सुरक्षित एवं निर्विघ्न यात्रा हेतु सभी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये गए थे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं/यात्रियों की सहायता हेतु यात्रा मार्ग पर जगह-जगह पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। चमोली पुलिस द्वारा सम्पूर्ण यात्राकाल के दौरान श्रद्धालु एवं पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों की भी हर संभव सहायता की गयी एवं बरसात, ठंड व बर्फबारी में प्रतिबद्ध होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सैकड़ो श्रद्धालुओं की मानवीय दृष्टिकोण के आधार पर सहायता कर उन्हें सकुशल उनके गंतव्य तक पहुँचाया।

इस वर्ष भारत गणराज्य की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, माननीय राज्यपाल उत्तराखंड सरकार ले.ज. गुरमीत सिंह (से.नि.), माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ, माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड पुष्कर सिंह धामी, माननीय सांसद गढ़वाल तीरथ सिंह रावत, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी0आर0 चौधरी, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, फिल्म व क्रिकेट जगत की जानी-मानी हस्तियों तथा रिकॉर्ड 18 लाख पैंतीस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बैकुण्ठ धाम पहुँकर भगवान श्री बद्रीनाथ जी के दर्शन किये गये।चमोली पुलिस आने वाले नवीन वर्ष की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देती है एवं आशा करती है कि आने वाले नव वर्ष में भी इसी प्रकार श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों का आगमन जनपद चमोली में होता रहेगा। जनपद चमोली पुलिस आपकी सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं निर्विघ्न यात्रा हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

मद्महेश्वर के कपाट बंद होने की तैयारियां शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट शीतकाल के लिए 22 नवम्बर को बंद कर दिए जाएंगे। सुबह आठ बजे वृश्चिक लग्न में मद्महेश्वर के कपाट बंद होंगे। मंदिर समिति द्वारा कपाट बंद होने की तैयारियां की जा रही हैं। इसके बाद डोली ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान होगी जहां भगवान की छह माह पूजा अर्चना की जाएगी। बीकेटीसी के कार्याधिकारी आरसी तिवारी ने बताया कि 22 नवम्बर को कपाट बंद होने के बाद भगवान की चल विग्रह उत्सव डोली कूनचट्टी, मैखम्बा, नानौ, खटारा, बनातोली होकर गौण्डार पहुंचेगी। 23 को गौण्डार से राकेश्वरी मन्दिर रांसी व 24 को उनियाणा, राऊलैंक, मनसूना होते हुए गिरीया गांव पहुंचेगी। 25 नवम्बर को विभिन्न यात्रा पड़ावों से होते हुए डोली शीतकालीन गद्दी स्थल ओकारेश्वर मन्दिर में विराजमान होगी। यहां पर 24 से 26 तक त्रिदिवसीय मद्महेश्वर मेले का आयोजन किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष एवं मेला अध्यक्ष विजय राणा ने बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मेले में रंगारंग सांस्कृतिक आयोजन के साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन भी किया जाएगा।

छठ पूजा: व्रती श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को अघ्र्य दिया

रुद्रपुर। छठ महापर्व धूमधाम से मनाया गया। पर्व के तीसरे दिन छठी व्रतधारियों ने पानी में खड़े होकर डूबते सूरज को अघ्र्य दिया। रविवार को पूर्वांचल समाज के लोग ढोल बाजे के साथ छठ मैया के लोकगीत गाते हुए देवहा पोषक नहर पर बने छठ घाट पहुंचे। 17 नवंबर से नहाए खाए के साथ छठ महापर्व के तीसरे दिन सजे हुए छठ घाट पर श्रद्धालुओं ने छठ मैया की बेदी पर पूजा-अर्चना कर अपने बच्चों के स्वस्थ एवं लंबी आयु की छठी मैया से आराधना की। संध्याकालीन डूबते सूरज को जल में खड़े होकर छठी व्रत धारी श्रद्धालु मीनाक्षी मिश्रा, रंजू देवी, सुधा देवी, माया देवी, द्रोपती चौरसिया, अभिलाष चौरसिया, कंचन गुप्ता, पूनम चौरसिया, कुसुम देवी, सुनीता देवी, शैलेन्द्र गुप्ता ने अघ्र्य दिया। वहां छठ समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, अनिल शर्मा, केश्वर चौरसिया, राजू गुप्ता, ओम प्रकाश चौरसिया, संदीप शाह, सुनील शर्मा, राकेश चौरसिया, पवन गुप्ता, रजनीश चौरसिया, नवीन शर्मा, संजय गुप्ता, मनीष पाल, दिनेश गुप्ता, सत्यम चौरसिया, सूरज गुप्ता, जितेंद्र बाल, मोहित शर्मा आदि मौजूद थे।

अजब-गजब : एक ऐसी घाटी जहां इंसान चला जाए, तो वापस लौट नहीं पाता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 नवंबर : इस धरती पर कई ऐसे रहस्य मौजूद हैं, जिनकी गुत्थी आज तक कोई नहीं सुलझा पाया. ऐसे रहस्य साइंस के लिए भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं. दुनिया के ऐसे ही कमाल के रोचक तथ्य हैं, जिनके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे. यह तथ्य आपके होश उड़ाने के साथ ही आपका नॉलेज भी बढ़ाते हैं. आज हम आपको 'अजब-गजब' की इस सीरीज में एक ऐसी ही जगह के बारे में बताने जा रहे हैं. आइए जानते हैं...

आज हम आपको एक रहस्यमयी घाटी है के बारे में बता रहे हैं. कहते हैं कि इस घाटी को आज तक कोई भी नहीं ढूंढ पाया है. अब आप कहेंगे कि जब कोई नहीं ढूंढ पाया तो हमें इसके बारे में कैसे पता है. दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक यह घाटी अरुणाचल प्रदेश और तिब्बत के बीच में कहीं पर मौजूद हैं. इस जगह को 'शांगरी-ला घाटी' कहा जाता है. इसकी गिनती वायुमंडल के चौथे आयाम यानी समय से प्रभावित जगहों में होती है. इस घाटी को बरमूडा ट्राएंगल की तरह ही दुनिया की सबसे रहस्यपूर्ण जगह माना जाता है. बरमूडा ट्राएंगल नार्थ अटलांटिक महासागर का वो हिस्सा है, जहां से गुजरने वाले पानी के जहाज और हवाई जहाज गायब हो जाते हैं. वहीं, 'शांगरी-ला घाटी' के लिए कहा जाता है कि इसका सीधा संबंध दूसरे दुनिया से है. असमिया साहित्यकार अरुण शर्मा की किताब 'तिब्बत की वह रहस्यमय घाटी' में इसका जिक्र मिलता है. लेखक के मुताबिक एक लामा ने उन्हें बताया कि शांगरी-ला घाटी में काल का प्रभाव नगण्य है.

वहीं, इस घाटी का जिक्र तिब्बती भाषा में लिखी किताब 'काल विज्ञान' में मिलता है. तिब्बती विद्वान युत्सुंग का कहना है कि वह खुद इस रहस्यमय घाटी में जा चुके हैं. उनके मुताबिक वहां न तो सूर्य का प्रकाश था और न ही चंद्रमा, लेकिन फिर भी चारों तरफ एक रहस्यमय प्रकाश फैला रहता है. इस घाटी को धरती का आध्यात्मिक नियंत्रण केंद्र भी कहा जाता है. वहीं, इसे सिद्धाश्रम भी कहते हैं, जिसका जिक्र हिंदू धर्म ग्रंथों महाभारत से लेकर वाल्मीकि रामायण और वेदों में भी हुआ है. जानकारी के मुताबिक चीनी फौज ने भी इस रहस्यमयी घाटी को बहुत खोजने के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली. कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनियाभर में जितने भी 'शांगरी-ला घाटी' के राज से पर्दा उठाने की कोशिश की, उसका पता दोबारा नहीं लगा.

यूपीआई पेमेंट यूजर्स के लिए चेतावनी, बंद होंगे निष्क्रिय एकाउंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 नवंबर। एनपीसीआई ने अपनी नई गाइडलाइन जारी करते हुए बताया है कि यदि कोई यूपीआई यूजर एक साल तक अपने यूपीआई अकाउंट से किसी भी तरह का कोई ट्रांजेक्शन नहीं करता है तो उसकी यूपीआई आईडी बंद कर दी जाएगी। यदि इस दौरान कोई यूजर बैलेंस भी चेक करता है तो उसकी आईडी बंद नहीं होगी।यदि आप भी यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) का इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए बड़ी खबर है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई ने यूपीआई) यूजर्स के लिए एक नई गाइडलाइन जारी की है। सरकार की ओर से कहा गया है कि एक लापरवाही के कारण आपका यूपीआई अकाउंटए यूपीआई आईडी बंद हो सकता है।

एनपीसीआई की गाइडलाइन में क्या है

एनपीसीआई ने अपनी नई गाइडलाइन में कहा है कि यदि कोई यूपीआई यूजर एक साल तक अपने यूपीआई अकाउंट से किसी भी तरह का कोई ट्रांजेक्शन नहीं करता है तो उसकी यूपीआई आईडी बंद कर दी जाएगी। यदि इस दौरान कोई यूजर बैलेंस भी चेक करता है तो उसकी आईडी बंद नहीं होगी।एनपीसीआई ने कहा डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में ग्राहकों के लिए सुरक्षित लेनदेन अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बैंकिंग प्रणाली के भीतर अपनी जानकारी की नियमित रूप से समीक्षा और सत्यापन करना आवश्यक है। यूजर्स खाते से लिंक अपने मोबाइल नंबर को तो बदल लेते हैं लेकिन उस नंबर से जुड़े यूपीआई अकाउंट को बंद नहीं करते।इस गाइडलाइन का मकसद यूपीआई यूजर्स को एक सिक्योर एक्सपेरियंस देना है। इस साल भी कई यूपीआई अकाउंट इनएक्टिव होंगे। इसकी शुरुआत 31 दिसंबर 2023 से होगी। एनपीसीआई यूपीआई यूजर्स को इस संबंध में ईमेल के जरिए अलर्ट भेजेगी।

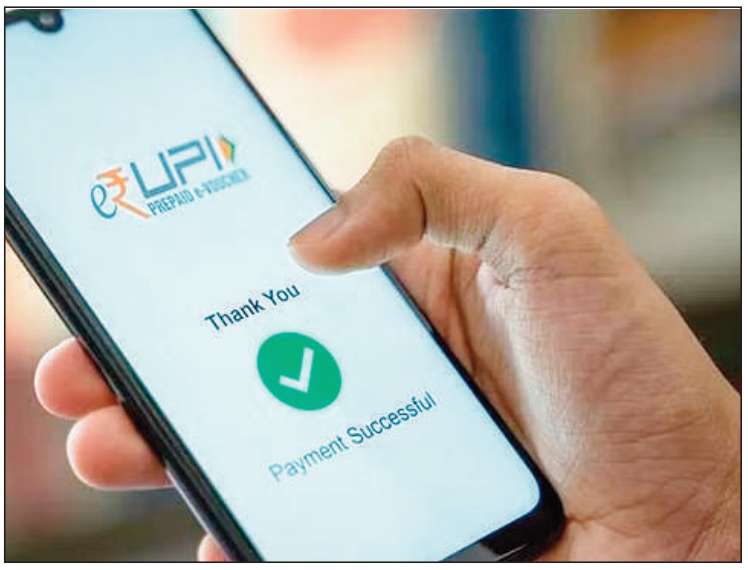

गजब की टी-शर्ट, पहनते ही बताने लगेगी आपकी हार्टबीट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 नवंबर : दुनिया में हर दिन कुछ न कुछ अनोखा रिसर्च होता रहता है. इस रिसर्च में वैज्ञानिक कुछ ऐसी खोज ला देते हैं, जो हमारे आम जीवन को बहुत प्रभावित करती है. इन दिनों वैज्ञानिकों ने इंसानों के लिए एक ऐसी टी-शर्ट विकसित करने का दावा किया है, जो हमारी हार्टबीट सुनने में सक्षम है.

यह टी-शर्ट हार्ट संबंधी सारी जानकारियों को रियल टाइम में बताएगी News के अनुसार, यह विशेष टी-शर्ट ओके स्टिक फेब्रिक से बनाई गई है. यह इंसान के शरीर में माइक्रोफोन की तरफ काम करती है. जब इंसान इस टी-शर्ट को पहनेगा तो सबसे पहले यह टी-शर्ट ध्वनि को मैकेनिकल

वाइब्रेशन में तब्दील करेगी. इसके बाद इसे इलेक्ट्रिक सिग्नल में परिवर्तित कर देगी. यह प्रक्रिया वैसी ही है, जैसे हमारे कान सुनते हैं. इसे पहनने वाला शख्स अपने दिल और श्वसन तंत्र की स्थिति को निरंतर, आरामदायक, रियल टाइम तथा लंबे समय तक मॉनिटर कर सकता है.रिपोर्ट के अनुसार, इस टी-शर्ट का कपड़ा पीजोइलेक्ट्रिक मटेरियल से बनाया गया है. यह मुड़ते ही एक इलेक्ट्रिक सिग्नल पैदा करेगा. यह इलेक्ट्रिक सिग्नल एक तरह से साधन का काम करेगा, जो साउंड वाइब्रेशन को इलेक्ट्रिक सिगनल में बदल देगा. रोड आइलैंड स्कूल ऑफ डिजाइन और MIT के इंजीनियर्स के अनुसार, टी-शर्ट को पहनने वाले की दिल की धड़कन की विशेषताओं का पता लग सकता है. अभी इस टी-शर्ट की कीमत तय नहीं की गई है. MIT के वेई यान ने बताया कि टी-शर्ट में इस्तेमाल की गई फेब्रिक मानव त्वचा के साथ इंटरफेस कर सकता है।

उत्तराखंड : इस जगह पर शादी करने के लिए बढ़ा क्रेज, मार्च 2024 तक बुकिंग फुल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 नवंबर : पिछले कुछ समय से वेडिंग डेस्टिनेशन का चलन काफी बढ़ गया है। नई पीढ़ी शादी के लम्हों को यादगार बनाने के लिए अच्छी जगह की तलाश करती है। इसी बीच उत्तराखंड की एक ऐसी खूबसूरत जगह वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में खूब चर्चा में आई है। यहां कई हस्तियां विवाह के बंधन में बंध चुकी है।

शिव-पार्वती की विवाह स्थली त्रियुगीनारायण में नई पीढ़ी में विवाह करने का क्रेज खूब बढ़ रहा है। इस स्थान पर विवाह के लिए मार्च 2024 तक की बुकिंग मिल चुकी है। जबकि इस वर्ष मकर संक्रांति से अभी तक 50 से अधिक शादियां हो चुकी हैं। रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर सोनप्रयाग से 13 किमी की दूरी पर स्थित त्रियुगीनारायण में प्रतिवर्ष विवाह आयोजनों की संख्या बढ़ रही है। इस पावन स्थल पर भगवान शिव और पार्वती की विवाह से जुड़े सभी साक्ष्य मौजूद हैं। सप्तवेदी की अखंड ज्योति तीन युगों से जल रही है। इस अखंड ज्योति के दर्शन कर वहां लकड़ी अर्पित करनी होती है। साथ ही मंदिर परिसर के जिस पत्थर पर राजा हिमालय ने अपनी पुत्री पार्वती का कन्यादान किया था वह भी मौजूद है।

मंदिर में प्राचीन कुंड भी हैं जिनकी अपनी विशेष महत्ता है। पिछले दो दशक में यहां कई हस्तियां विवाह बंधन में बंध चुकी हैं जिसमें उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सीरियल अभिनेत्री कविता कौशिक, निकिता शर्मा, अभिनेता जितेंद्र असेड़ा, आईपीएस अधिकारी अपर्णा गौतम, आईएएस अधिकारी ललित मोहन रयाल, एसडीएम जितेंद्र वर्मा शामिल हैं। त्रियुगीनारायण में विवाह आयोजन के लिए तीर्थ पुरोहित समिति में पंजीकरण कराना होता है, इसके लिए 1100 रुपये शुल्क निर्धारित है। पंजीकरण में दुल्हा-दुल्हन का नाम, पता और विवाह की तिथि का उल्लेख होता है। इसी शुल्क से समिति मंडप में बैठने की व्यवस्था करती है साथ ही कलश भी समिति का होता है।प्रदेश सरकार की घोषणा के पांच वर्ष बाद भी त्रियुगीनारायण वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित नहीं हो पाया है। वर्ष 2018 में तत्कालीन सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने त्रियुगीनारायण को उत्तराखंड का वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने की घोषणा की थी लेकिन न तो यह वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हुआ न ही यहां मूलभूत सुविधाएं जुटाई जा सकीं। यही नहीं मंदिर के पुजारियों व तीर्थ पुरोहितों के लिए शौचालय तक की सुविधा नहीं है। मंदिर मार्ग की हालत अच्छी नहीं है। त्रियुगीनारायण के लोगों को बुखार की दवा के लिए 13 किमी की दूरी तय कर सोनप्रयाग या फिर 28 किमी दूर फाटा की दौड़ लगानी होती है।

सिलक्यारा दुर्घटना लापरवाही और अनुभवहीनता का नतीजा : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 नवंबर , नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि , सिलक्यारा टनल के मामले ने न केवल प्रदेश के बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी आपदा प्रबंधन की पोल खोल कर रख दी है । उन्होंने कहा कि 1 सप्ताह से देश के लोग और विपक्ष नैतिक रूप से इस संकट की घड़ी में सरकार और आपदा प्रबंधन में लगी एजेंसियों के साथ खड़े थे पर अब सब्र का बांध टूट रहा है।

सरकार को बचाव कार्य करने के साथ जबाबदेही भी तय करनी होगी उन्होंने कहा कि देश के 42 लोगों की बहुमूल्य जानों के साथ किसी को भी प्रयोग करने की इजाजत नही होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि 41 लोगों की बहुमूल्य जानें सप्ताह भर से

संकट में फंसी हैं और अभी भी बचाव के नाम पर हर दिन नए प्रयोग ही किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि , सरकार को साफ करना चाहिए कि , लगभग 5 किलोमीटर लंबी इस टनल के निर्माण के मूल प्रोजेक्ट में मलबा निकालने व बचाव के लिए एडिट टनल व एस्केप टनल का प्राविधान था भी या नहीं ? अगर प्रोजेक्ट में ये प्राविधान था और कंपनी बिना एडिट टनल व एस्केप टनल के काम कर रही थी तो कंपनी पर सुसंगत धाराओं में आपराधिक मुकदमा भी दर्ज करना चाहिए। यदि प्रोजेक्ट रिपोर्ट में ये महत्वपूर्ण प्राविधान नहीं किये थे तो निर्माण करने वाले बिभाग पर भी आपराधिक मुकदमा दर्ज करना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि, इस बड़ी परियोजना के निर्माण में मानकों और सुरक्षा के विकल्पों को स्थापित करने में निश्चित रूप से अवहेलना हुई है इसलिए अब दुर्घटना होने के बाद विकल्पों को तलाशा जा रहा है। जबकि परियोजना को शुरू करते समय भूगर्भीय सर्वेक्षण के बाद सबसे पहले सुरक्षा के विकल्पों को स्थापित किया जाना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि , देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में राज्य के विभागों की तुलना में बहुत ही महंगी दरों पर बेहद घटिया काम लापरवाही के साथ हो रहा है इसलिए वसिलक्यारा जैसी स्थितियां पैदा हो रही हैं । उन्होंने कहा कि, राज्य सरकार को बेहद सम्बेदनशील टनल निर्माण के कार्य में लगी सरकारी कंपनी और जमीन पर काम कर रही पेटी कंपनी के टनल निर्माण के क्षेत्र के अनुभव को भी जनता के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि , प्रारंभिक सूचनाओं से ये सिद्ध होता है कि, यह दुर्घटना लापरवाही और अनुभवहीनता का नतीजा है । आज नेता प्रतिपक्ष सिलक्यारा जाकर वस्तुस्थिति का जायजा लेंगे ।

नैनीताल पुलिस की गिरफ्त में आई बाप-बेटी की अनोखी जोड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 20 नवंबर : विजेन्द्र सिंह बोरा पुत्र उमेद सिंह निवासी बैलपडाव कालाढूंगी नैनीताल द्वारा दिनांक 14-11-23 के दिन में समय 13.00 बजे दुकान के गल्ले से अज्ञात चोरों द्वारा गल्ले का लॉक तोड़कर 01 लाख 10 हजार रुपये चोरी किये जाने के सम्बन्ध में थाने में मु0अ0 संख्या 179/2023 धारा 380 भादवि पंजीकृत किया गया।मामले का संज्ञान लेते हुए प्रहलाद नारायण मीणा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा क्षेत्राधिकारी रामनगर बलजीत सिंह भाकुनी को मामले के शीघ्र खुलासे एवं बरामदगी हेतु टीम गठित करने हेतु निर्देशित किया गया। थानाध्यक्ष कालाढूंगी नन्दन सिंह रावत के नेतृत्व में चोरी के खुलासे हेतु टीम गठित कर कार्यवाही की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास पूछताछ व CCTV का अवलोकन किया गया तो वादी के गल्ले का लॉक तोड़ते हुए एक लडकी जिसने स्कार्फ से अपना मुँह ढका हुआ था तथा घटना के बाद हेलमेट पहने व्यक्ति के साथ बिना नम्बर की TVS स्पोर्ट मोटरसाइकिल पर बैठकर जाते हुये दिखायी दी। मामले में उ0नि0 अनीश अहमद चौकी प्रभारी बैलपड़ाव द्वारा पुलिस टीम के साथ बन्नाखेडा, बाजपुर, दोराहा, काशीपुर व जसपुर क्षेत्र के करीब 70 CCTV कैमरों को खंगालने, काफी प्रयास व सुरागरसी पतारसी के आधार पर अभियुक्तगणों को आज दिनांक 19.11.2023 को प्रातः 09:40 बजे बैतखेडी मोड आईआरबी रोड बैलपडाव से गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से चोरी की धनराशि व अन्य सामग्री बरामद की गई है।पूछताछ पर अभियुक्तगण पेशेवर चोर हैं जो गैग बनाकर चोरी करते हैं दोनों आपस में पिता व बेटी हैं जिनके द्वारा जनपद उ0सि0नगर व उ0प्र0 के अलग-अलग इलाको में चोरी की कई वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है। पुनः चोरी की वारदात को अंजाम देने हेतु बैलपड़ाव की ओर आ रहे थे लेकिन पुलिस की गिरफ्त में आ गए। उपरोक्त के आपराधिक इतिहास एकत्रित किया जा रहा है तथा अन्य जनपदों को सूचित किया जा रहा है।

नैनीताल 20 नवंबर : विजेन्द्र सिंह बोरा पुत्र उमेद सिंह निवासी बैलपडाव कालाढूंगी नैनीताल द्वारा दिनांक 14-11-23 के दिन में समय 13.00 बजे दुकान के गल्ले से अज्ञात चोरों द्वारा गल्ले का लॉक तोड़कर 01 लाख 10 हजार रुपये चोरी किये जाने के सम्बन्ध में थाने में मु0अ0 संख्या 179/2023 धारा 380 भादवि पंजीकृत किया गया।मामले का संज्ञान लेते हुए प्रहलाद नारायण मीणा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा क्षेत्राधिकारी रामनगर बलजीत सिंह भाकुनी को मामले के शीघ्र खुलासे एवं बरामदगी हेतु टीम गठित करने हेतु निर्देशित किया गया। थानाध्यक्ष कालाढूंगी नन्दन सिंह रावत के नेतृत्व में चोरी के खुलासे हेतु टीम गठित कर कार्यवाही की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास पूछताछ व CCTV का अवलोकन किया गया तो वादी के गल्ले का लॉक तोड़ते हुए एक लडकी जिसने स्कार्फ से अपना मुँह ढका हुआ था तथा घटना के बाद हेलमेट पहने व्यक्ति के साथ बिना नम्बर की TVS स्पोर्ट मोटरसाइकिल पर बैठकर जाते हुये दिखायी दी। मामले में उ0नि0 अनीश अहमद चौकी प्रभारी बैलपड़ाव द्वारा पुलिस टीम के साथ बन्नाखेडा, बाजपुर, दोराहा, काशीपुर व जसपुर क्षेत्र के करीब 70 CCTV कैमरों को खंगालने, काफी प्रयास व सुरागरसी पतारसी के आधार पर अभियुक्तगणों को आज दिनांक 19.11.2023 को प्रातः 09:40 बजे बैतखेडी मोड आईआरबी रोड बैलपडाव से गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से चोरी की धनराशि व अन्य सामग्री बरामद की गई है।पूछताछ पर अभियुक्तगण पेशेवर चोर हैं जो गैग बनाकर चोरी करते हैं दोनों आपस में पिता व बेटी हैं जिनके द्वारा जनपद उ0सि0नगर व उ0प्र0 के अलग-अलग इलाको में चोरी की कई वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है। पुनः चोरी की वारदात को अंजाम देने हेतु बैलपड़ाव की ओर आ रहे थे लेकिन पुलिस की गिरफ्त में आ गए। उपरोक्त के आपराधिक इतिहास एकत्रित किया जा रहा है तथा अन्य जनपदों को सूचित किया जा रहा है।

बरामदगी-1- चोरी किये गए 80 हजार रूपये नगद, 2- एक अदद पेचकस 3- घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर की TVS स्पोर्ट मोटरसाइकिल गिरफ्तारी टीम-1- उ0नि0 अनीस अहमद चौकी प्रभारी बैलपडाव 2- हे0का0 लेखराज कंबोज 3- का नि 0 अमरेन्द्र कुमार 4- कानि0 रविन्द्र सिंह 5- कानि0 राजा गौतम 6- का नि 0 अशोक कुमार 7- म0कानि0 हेमलता बनकोटी

सचिव दीपक कुमार गैरोला ने हरिद्वार में प्रशासन को शासन की सख्ती का ट्रेलर दिखाया

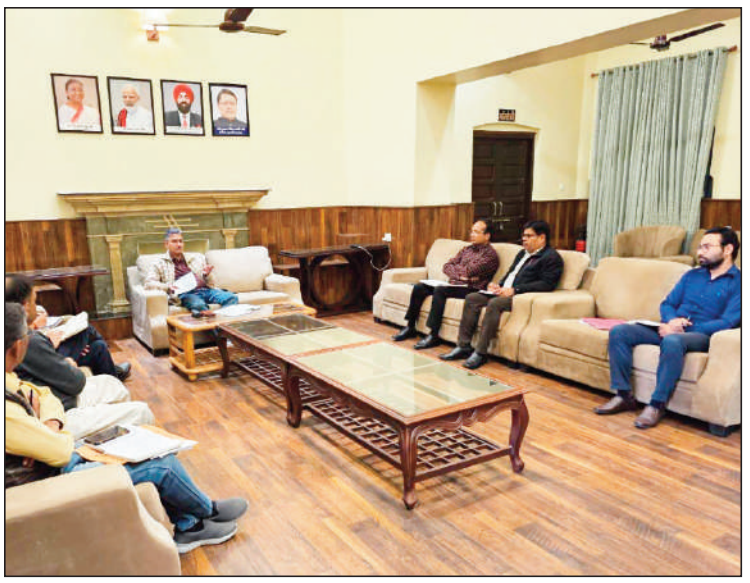

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 20 नवंबर । रविवार को कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा हरिद्वार जिले के अधिकारियों के साथ सरकार जनता के द्वार, हमारा संकल्प अनुशासित प्रदेश व हमारा संकल्प भयमुक्त समाज के तहत समीक्षा बैठक की गई,जिसमे सचिव दीपक कुमार गैरोला ने 23 बिंदुओं पर निरीक्षण नीति पर चर्चा की।समीक्षा बैठक में अधिकारीयों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत विभिन्न योजनाओं का अनुपालन के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला कृषि, उद्यान, पशुचिकित्सा, समाज कल्याण, महिला-बाल विकास/ परियोजना अधिकारी पुलिस क्षेत्राधिकारी व तहसीलदार हरिद्वार मौजूद रहे।

क्षेत्र निरीक्षण के लिए जिन 23 प्रमुख योजनाओं पर चर्चा हुई उनके विवरण है --

1. मुख्यमंत्री धामी द्वारा की गयी घोषणाओं की प्रगति समीक्षा।2. सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का रैन्डम वेरीफिकेशन ।3. एनआरएलएम व एनयूएलएम के तहत गठित एवं कार्यशील स्वंय सहायता समूहों का निरीक्षण तथा उनकी आय में हुए परिवर्तन का आंकलन ।4. मनरेगा योजना के अन्तर्गत निर्मित विभिन्न प्रकार की योजनाओं का निरीक्षण।5. राजकीय सिंचाई योजना व लघु सिंचाई के अन्तर्गत निर्मित अवसंरचना सुविधाओं का निरीक्षण।6. प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व नगरीय के तहत निर्मित आवासों का सत्यापन।7. जल-जीवन मिशन के तहत हर घर नल के तहत स्थापित संयोजनों का सत्यापन ।8. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों का सत्यापन।9. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का सत्यापन तथा इम्पैक्ट आंकलन ।10. बीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना का सत्यापन ।11. जनपदों में स्थापित प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्रों के संचालन की स्थिति।12. जनपद के सरकारी अस्पतालों / पीएचसी / सीएचसी केन्द्रों में चिकित्सकों की तैनाती तथा आम जनमानस को दिए जा रहे सुविधाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा।13. विद्यालयों में निर्मित बालिका एवं महिला कार्मिकों हेतु पृथक शौचालयों का सत्यापन तथा उसके उपयोग का सत्यापन।14. कृषि यन्त्र उपकरणों, बीज वितरण, खाद वितरण, आर्गेनिक कृषि और परम्परागत कृषि आदि के विषय में वस्तु स्थिति की जानकारी।15. विभिन्न विभागों द्वारा अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज की जानकारी।16. निर्मित मतस्य तालाबों का सत्यापन।17. प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना के लाभार्थियों का सत्यापन।18. गड्ढा मुक्त सडक की स्थिति।19. राष्ट्रीय पोषण मिशन की स्थिति।20. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की स्थिति।21. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की स्थिति।22. राष्ट्रीय उद्यान मिशन की गतिविधियों का निरीक्षण।23. अन्य जो जनपद स्तर पर चर्चा के पश्चात आवश्यक महसूस हो।

ब्रेकअप से मायूस युवाओं की मदद करेगी ये सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 नवंबर : न्यूजीलैंड सरकार ने लव रिलेशनशिप में ब्रेकअप से मायूस युवाओं की मदद के लिए कैम्पेन लॉन्च किया है। इसके जरिए 16 से 24 साल के उन युवाओं को डिप्रेशन बचाने की मुहिम चलाई जा रही है। यह कैम्पेन भारतीय मूल की महिला मंत्री प्रियंका राधाकृष्णन ने शुरू किया। इसके लिए बजट सरकार ने ही जारी किया है।दुनिया में पहली बार ऐसा गवर्नमेंट कैम्पेनन्यूजीलैंड की वेबसाइट 'RNZ' के मुताबिक- इस कैम्पेन के कई मकसद हैं। सबसे पहला तो यही कि लव रिलेशनशिप अगर टूटती है तो हमारी यंग जेनरेशन इन हालात का बिना डिप्रेशन में आए सामना कर सके। इसके अलावा उन्हें यह ट्रेनिंग भी जा रही है कि वो जिम्मेदार फैमिली मेंबर बनें और किसी तरह के डोमेस्टिक वायलेंस में शामिल न हों। यह दुनिया में अपनी तरह की पहली सरकारी मुहिम है, जिसके लिए फंड भी सरकार ही दे रही है।ब्रिटिश अखबार द गार्डियन के मुताबिक- इस कैम्पेन को लव बैटर नाम दिया गया है। वो युवा जो ब्रेकअप से परेशान हैं, वो टेक्स्ट, फोन या ईमेल के जरिए यूथलाइन सें कॉन्टैक्ट कर सकते हैं। इसके लिए 6.4 लाख डॉलर (करीब 53 करोड़ रुपए) का शुरुआती बजट रखा गया है।रिसर्च के बाद कैम्पेन का फैसलापिछले साल यानी 2022 में कैंटर रिसर्च ग्रुप ने ब्रेकअप के शिकार होने वाले युवाओं पर एक रिसर्च किया था। इसमें पाया गया कि 16 से 24 साल के 80% युवा रिलेशनशिप में हैं। इनमें से 87% ऐसे होते हैं जो ब्रेकअप का शिकार बने। इनमें से ज्यादातर खुद को अलग-अलग तरह से नुकसान पहुंचाते हैं। रिचर्स ग्रुप की यह रिपोर्ट जब डेवलपमेंट मिनिस्टर प्रियंका राधाकृष्णन के पास पहुंची तो उन्होंने कहा- युवा ही तो

देश का भविष्य हैं। अगर वो खुद को ही नुकसान पहुंचाएंगे तो इससे आखिरकार देश को ही घाटा होगा। प्रियंका ने इस रिपोर्ट पर फैमिली और सेक्शुअल वॉयलेंस प्रिवेंशन मिनिस्टर मरामा डेविडसन से बातचीत की। इसके बाद यूथलाइन ऑफिस की तरफ से ऑकलैंड में यह कैम्पेन लॉन्च किया गया।

देहरादून से बाहर होंगी डीजल सिटी बसें, CNG और इलेक्ट्रिक बसों की होगी एंट्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 नवंबर : कभी अपनी हरी-भरी वादियों के लिए मशहूर रहा देहरादून शहर अब बढ़ते प्रदूषण से हांफ रहा है। दिवाली पर यहां की आबोहवा जहरीली हो गई। शहर में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए अब सरकार ने डीजल सिटी बसों को शहर से बाहर करने की तैयारी कर ली है। इनकी जगह शहर में सीएनजी व इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। इसके लिए सिटी ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (सीटीसी) का गठन किया जाएगा जो उत्तराखंड परिवहन निगम के अधीन रहेगा। नई सीएनजी या इलेक्ट्रिक बस लाने पर ट्रांसपोर्टर को सब्सिडी देने की तैयारी चल रही है। वर्तमान में दून में 30 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। ये भी सिटी ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के अधीन होंगी। सचिवालय में मुख्य सचिव डा. एसएस संधु की अध्यक्षता में यूनीफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (यूएमटीए) की बैठक हुई। जिसमें स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) के गठन पर चर्चा हुई। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वह पिछले एक वर्ष से शहर में सीएनजी सिटी बसों के संचालन की कसरत कर रहे हैं, लेकिन इसमें कई चुनौतियां हैं। जब शहर में डीजल सिटी बसों के बदले इलेक्ट्रिक सिटी बसों के संचालन का प्रस्ताव रखा गया तो सिटी बस संचालकों ने इसे सिरे से नकार दिया। उनका कहना था कि वह एक से सवा करोड़ रुपये कीमत की इलेक्ट्रिक बस नहीं खरीद सकते। हालांकि, सीएनजी बसों पर उन्होंने सशर्त सैद्धांतिक सहमति दे दी थी। सिटी बस संचालकों की मांग है कि सीएनजी बस खरीद पर उन्हें 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाए। संचालकों ने बताया था कि सीएनजी की 25 सीटर बस की कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। सब्सिडी के तौर पर सरकार अगर साढ़े 12 लाख रुपये देती है तो वह सीएनजी बस लाने को तैयार हैं। इसे देखते हुए

अब दून में सिटी ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (सीटीसी) के गठन की तैयारी है, जो उत्तराखंड परिवहन निगम के अधीन रहेगा। पहले चरण में देहरादून व अगले चरण में ऋषिकेश, हरिद्वार, हल्द्वानी, नैनीताल व काशीपुर में परिवहन सेवा में सुधार किया जाएगा।

उत्तराखंड : अपने गांव में बेहद खुश दिखे धोनी, समेटी खूब सारी यादें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 19 नवंबर : कैप्टन कूल के नाम से मशहूर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने परिवार संग उत्तराखंड आए । दुनियाभर के खेल प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाले धोनी का मूल गांव उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के जैंती तहसील में है। धोनी के उत्तराखंड प्रवास पर आने के बाद माना जा रहा था कि वे अपने पैतृक गांव ल्वाली भी जाएंगे और ऐसा ही हुआ भी। हालांकि धोनी जब गांव पहुंचे तो उन्हें गांव की हालत देख थोड़ी निराशा हुई। ल्वाली गांव के ज्यादातर लोग पलायन कर गए हैं, नहर भी सूख गई है, लेकिन इस नहर को देखकर पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पुरानी यादें ताजा हो गईं। उन्होंने ग्रामीणों से पूछा कि क्या अब इसमें पानी नहीं आता।

दो दशक पहले जब धोनी गांव आए थे, तब नहर में खूब पानी हुआ करता था, लेकिन बीते छह साल से नहर सूखी हुई है। इससे खेती प्रभावित हो रही है, लोग पलायन कर गए हैं। जो लोग गांव में बचे हैं वो भी काश्तकारी पर ही निर्भर हैं। बता दें कि कुमाऊं भ्रमण पर आए माही अपने परिवार संग अल्मोड़ा-देवीधुरा मार्ग पर शहरफाटक क्षेत्र के नाटाडोल गांव के कॉटेज में ठहरे।

उन्होंने पहाड़ों में घूम कर आनंद लिया , साथ ही मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। बीते दिन माही पत्नी साक्षी व बेटी संग अपने पैतृक गांव ल्वाली (जैंती) पहुंचे थे। सुबह उन्होंने गुनगुनी धूप के बीच हिमालय की चोटियों का दीदार किया। माही के अल्मोड़ा आने से उनके गांववासी बेहद खुश थे ।

उत्तराखंड : कोटद्वार में 26 नवंबर से अग्निवीर भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 20 नवंबर : सेना में भर्ती होकर देश सेवा की चाह रखने वाले युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। कोटद्वार में इसी महीने अग्निवीर भर्ती रैली होने जा रही है, जिसमें गढ़वाल मंडल के युवा हिस्सा ले सकेंगे। अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार में 26 से 28 नवंबर तक किया जाएगा। इस संबंध में एआरओ कार्यालय लैंसडाउन एवं जिला प्रशासन पौड़ी गढ़वाल के बीच बैठक हुई, जिसमें भर्ती की तैयारियों पर चर्चा हुई।इसके साथ ही एआरओ कार्यालय की ओर से सूचना जारी कर भर्ती के दौरान दलालों की गतिविधियों एवं फर्जी उम्मीदवारों के नामांकन को रोकने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी किए जा रहे हैं। उम्मीदवारों से ऐसे लोगों से सावधान रहने को कहा गया है, जो पैसे लेकर चयन का आश्वासन देते हैं। इसके साथ ही कार्यालय द्वारा अपने आधार विवरण को अपडेट करने तथा रैली अधिसूचना में दी गई दस्तावेजी औपचारिकताओं को पूरा करने के भी निर्देश दिए गए हैं।ताकि भर्ती रैली के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। गढ़वाल मंडल के सात जिलों से लगभग 3500 उम्मीदवारों के रैली में शामिल होने की उम्मीद है। अगर आप भी सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे हैं तो इस मौके को हाथ से जाने न दें। मैदान पर दमखम दिखाने का वक्त आ गया है, इसलिए कमर कस लें।

उत्तराखंड : महिलाओं ने रचा इतिहास, सिर्फ 6 महीने में अपने हुनर से कमाए 70 लाख रुपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 19 नवंबर : श्री केदारनाथ धाम यात्रा इस बार जनपद की महिलाओं के लिए सौगात दे गई। जनपद में संचालित महिला समूहों के लिए यह यात्रा बेहद सुखद साबित हुई। इस वर्ष रिकॉर्ड 19 लाख 60 हज़ार से ज्यादा श्रद्धालु बाबा केदारनाथ धाम के दर्शनों को पहुंचे जिसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आय एवं आर्थिकी पर भी देखने को मिला। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के चलते महिला समूहों के व्यवसाय को नई ऊंचाइयां मिली। केदारनाथ यात्रा से जुड़े विभिन्न महिला समूहों ने इस वर्ष 70 लाख रुपए से ज्यादा का व्यापार किया।

अकेले चौलाई के प्रसाद से लगभग 65 लाख रुपए का व्यवसाय हुआ। इसके अलावा स्थानीय हर्बल धूप, चूरमा, बेलपत्री, शहद, जूट एवं रेशम के बैग आदि से पांच लाख रुपये की कमाई महिलाओं द्वारा की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार के महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के उत्थान को किए जा रहे प्रयासों को भी इससे बल मिला है। इसी क्रम में महिला समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने सचिवालय परिसर में मिलेट बेकरी आउटलेट की भी शुरुआत की है। केदारनाथ धाम में जिले की महिलाओं द्वारा तैयार प्रसाद का विपणन करने वाले केदारनाथ प्रसादम सहकारी संघ के सचिव भाष्कर पुरोहित ने बताया कि उन्होंने विभिन्न हैलीपैड़ एवं मंदिर परिसर में तीर्थ यात्रियों को करीब 35 लाख रुपए का प्रसाद बेचा।

बताया कि उनके पास जिले भर के करीब 20 महिला स्वयं सहायता समूहों की 400 से ज्यादा महिलाओं द्वारा तैयार चौलाई के लड्डू, हर्बल धूप, चूरमा, बेलपत्री, शहद, जूट एवं रेशम के बैग आदि पहुंचता है। इसके अलावा गंगा जल के लिए पात्र एवं मंदिर की भस्म भी प्रसाद पैकेज का हिस्सा हैं। वहीं जनपद के काश्तकारों से 70 रुपए प्रति किलो के हिसाब से करीब 500 कुंतल चोदाई की खरीद की गई, जिसका सीधा लाभ किसानों को मिला है। गंगा दुग्ध उत्पादन संघ की अध्यक्ष घुंघरा देवी ने बताया कि इस वर्ष उन्होंने करीब 106 कुंतल चैलाई के लड्डू एवं चूरमा तैयार कर केदारनाथ में बेचा है। पिछले छह महीनों में उन्होंने 65 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार दिया, जिसमें 30 महिलाएं एनआरएलएम के तहत गठित समूहों के माध्यम से उनसे नियमित तौर पर जुड़ी हैं।

पूरी यात्रा के दौरान उन्होंने करीब 25 लाख

रुपए के लड्डू एवं चूरमा बेचा। समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रतिदिन 300 रुपए मेहनताना देने के साथ ही समय-समय पर प्रशिक्षण भी देते हैं। बताया कि वर्ष 2017 में प्रसाद योजना शुरू होने से पहले चैलाई का उत्पादन बेहद सीमित हो गया था जबकि अब इसके उत्पादन में बढोतरी हुई है। बताया कि वे 60 रुपए प्रति किलो के हिसाब से किसानों से चैलाई की खरीद करते हैं। इसके अलावा बेलपत्री का उत्पादन करने वाले किसानों को भी योजना का सीधा लाभ मिल रहा है। केवल बेलपत्री बेच कर महिलाओं ने करीब साढ़े तीन लाख रुपये की कमाई की है।

कमीशनखोरी चरम पर, अफसरशाही मौज में और जनता की मौत : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 नवंबर , ये कोई नई बात नहीं है की पर्यटन प्रदेश में बीते दिनों नैनीताल में वाहन दुर्घटना से आम नागरिकों की जान चली गयी। सीजन कोई भी हो , शहर पहाड़ और घाटी कोई भी हो लेकिन हादसों का सिलसिला न थमता है न विभागों की नींद टूटती है। अब ऐसे में नेता विपक्ष और सीनियर कांग्रेस लीडर यशपाल आर्य ने सीधा मोर्चा खोलते हुए अफसरशाही को जमकर लताड़ लगाई है। नेता प्रतिपक्ष ने नैनीताल में ओखलकांडा विकासखंड के अधौड़ा- मिडार मोटर मार्ग पर एक टैक्सी वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने पर 8 लोगों के अकस्मात निधन पर कहा कि इस मोटर मार्ग पर यह दुर्घटना पहली दुर्घटना नहीं है इससे पहले हुई दुर्घटनाओं में पहले ही लोग भी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , दुर्घटनाओं के मामले में राज्य की सभी सड़कों का यही हाल है । उन्होंने बताया कि , केंद्रीय सड़क परिवहन और राज्य मार्ग मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन औसतन राज्य के तीन लोग सड़क हादसे में अपनी जानें गवां रहे हैं । नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , पिछले कुछ सालों के सड़क दुर्घटना के आंकड़े बहुत ही चिंतनीय हैं । उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों के अनुसार साल 2019 में 1352 सड़क दुर्घटनाएं हुई जिनमें 867 लोगों की मौत हुई और 1457 लोग घायल हुए। साल 2020 में 1041 हादसों में 674 मौत और 854 घायल हुए , वर्ष 2021 में उत्तराखंड में 1405 हादसों में 820 लोगों की जान गई और 1091 लोग घायल हुए ।

कुल मिलाकर राज्य में पिछले चार सालों में सड़क हादसों में 3403 लोगों ने जान गंवाई है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , रिपोर्ट के अनुसार सड़क हादसों का कारण खराब सड़कें हैं । उन्होंने कहा कि , उत्तराखंड में सड़कों की बदहाल हालत से न केवल आम लोगों को हर दिन परेशानी झेलनी पड़ रही है बल्कि जान भी गंवानी पड़ रही है । उन्होंने कहा कि , खस्ता हाल सड़कों के पीछे कारण प्रदेश में चरम पर पंहुच गया भ्रष्टाचार है। उन्होंने साफ किया कि , राज्य में सड़क निर्माण सेक्टर को सत्ता दल और अधिकारियों ने दुधारू गाय समझ लिया है । इन विभागों में कमीशन खोरी चरम पर है इसलिए सड़क निर्माण का पैसा सत्ता दल के नेताओं और अधिकारियों की जेबों में जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , मुख्यमंत्री , शासन और प्रशासन भले ही प्रदेश की सड़कों को को गड्ढा मुक्त करने के लाख दावे करें लेकिन

सच्चाई जनता अपनी आंखों से देख रही है । उन्होंने कहा कि , उत्तराखंड की सड़कें गड्ढा मुक्त होने के बजाय गड्ढा युक्त होती जा रही हैं और दिन- प्रतिदिन प्रदेश की सड़कों पर सफर करना आम नागरिकों के लिए जोखिम भरा साबित होता जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सड़कों के हालात इतने बिगड़ गए हैं कि अब आम जनता को सड़क मार्ग से सफर करने में डर लगने लगा है। आर्य ने आरोप लगाया कि , भाजपा चुनाव में तो डबल इंजन का वायदा करके भले ही सत्ता हासिल कर ले लेकिन हकीकत में उत्तराखंड में विकास का सिंगल इंजन भी काम नहीं कर रहा है । नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जनता देख रही है कि , सरकार सड़कों के गड्ढे भरना तो दूर सड़को के किनारे की झाड़ियों का कटान तक नहीं करा पा रही है ।

उन्होंने कहा कि खराब सड़कों के कारण आम नागरिकों का समय , धन व संसाधन भी लगातार नष्ट हो रहा है। जो गाड़ी पांच साल चलनी होती है वह गाड़ी दो साल में कंडम हो रही है और जो सफर एक घंटे में पूरा होना था उसके लिए तीन-तीन घंटे लग रहे हैं। और जिस सफर के लिए एक लीटर इंधन फूंका जाना है, उस सफर के लिए तीन-तीन लीटर इंधन मजबूरी में फूंका जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , बदहाल सड़कें, मस्त सरकार , बेपरवाह व्यवस्था , अफसरशाही की मौज और जनता की मौत यही उत्तराखंड की सच्चाई बन चुकी है । प्रश्न ये है कि , राज्य में दुर्घटनाओं में हो रही मौतों का जिम्मेदार कौन है - बदहाल सड़के , निष्क्रिय सरकार या लापरवाह अधिकारी ?

अजब-गजब : 1 केला कितनी रोटियों के बराबर होता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 नवंबर , समय के साथ लोगों को हेल्थ का महत्व पता चल गया है. उन्हें ये पता चल गया है कि मोटापा सौ बीमारियों की जड़ है. इस वजह से ये काफी जरुरी है कि आप अपने वजन पर कंट्रोल रखें. लोग वजन कम करने के लिए डाइट से लेकर जिम का सहारा लेते हैं. लेकिन जिम से ज्यादा आपके खानपान से वजन कंट्रोल होता है. कई लोग जानकारी के अभाव में खाने-पीने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं कि महीनों भूखे रहकर भी उनका वजन कम नहीं होता. ऐसा होता है गलत फ़ूड चॉइस की वजह से.कई लोग अपने वेट को कंट्रोल करने के लिए अनाज खाना छोड़ देते हैं. इसकी जगह वो फ्रूट्स खाने लगते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई ऐसे फल कैलोरी के मामले में काफी आगे हैं. यानी अगर आप इन फलों का सेवन कर रहे हैं तो आपका वजन कम नहीं होगा. उसकी जगह आपका वेट बढ़ता जाएगा. सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि कैलोरी क्या है? हर फ़ूड आइटम में कितनी एनर्जी है , ये कैलोरी के द्वारा पता चलता है. आप जितनी ज्यादा कैलोरी खाएंगे, आपका वजन उतना बढ़ेगा.

कितनी रोटी के बराबर 1 केला ?

लोग वजन कम करने के लिए अनाज छोड़ देते हैं. उसकी जगह फल खामे लगते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि 1 केले के बराबर कितनी रोटियां होती है? अगर आप 1 केला खाकर

वजन कम कर रहे हैं तो इसकी जगह 1 रोटी खाई जा सकती है. दोनों में एक बराबर ही कैलोरी होती है. दोनों में कार्ब एक बराबर होता है. वहीं एक महिला को दिन में चार रोटियां खानी चाहिए जबकि पुरुषों को छह रोटी काफी होती है.

देहरादून वालों में बढ़ा इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का क्रेज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 नवंबर : विदेश में गाड़ी चलाने का शौक पूरा करना है तो इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी है। दून के युवाओं में इसे लेकर खूब क्रेज है, यही वजह है कि पिछले सात साल में तीन हजार से अधिक लोग देहरादून आरटीओ से इंटरनेशनल डीएल बनवा चुके हैं। साल दर साल इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है, 150 से अधिक आवेदन अभी भी जांच प्रक्रिया के तहत लंबित हैं। इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस भारतीय सड़क परिवहन प्राधिकरण जारी करता है।

आरटीओ कार्यालय से ड्राइविंग लाइसेंस ऑनलाइन और ऑफलाइन बनवा सकते हैं। कई देशों में गाड़ी चलाने के लिए इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है। इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए भारत का नागरिक होने के साथ ही स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी है। डीएल के लिए आप नजदीकी आरटीओ ऑफिस में आवेदन करने के साथ ही parivahan.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के वक्त आपको उस देश का उल्लेख करना होगा, जहां आप जा रहे हैं। इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए फॉर्म 4ए भरना होगा। सभी डॉक्यूमेंट्स की फोटोकॉपी के साथ फॉर्म को अपलोड कर डीएल बनवाया जा सकता है। इसके लिए एक हजार रुपये की फीस निर्धारित है। लाइसेंस एक साल के लिए वैलिड होता है, समय सीमा समाप्त होने पर संबंधित दूतावास के माध्यम से दोबारा आवेदन किया जा सकता है।

परिवहन विभाग ऑनलाइन आवेदन को स्वीकार कर लाइसेंस को संबंधित पते पर भेज देता है। इंटरनेशनल डीएल के लिए कई डॉक्यूमेंट्स चाहिए। जिसमें वर्तमान ड्राइविंग लाइसेंस की कॉपी, जहां की यात्रा पर जा रहे हों वहां का पासपोर्ट और वीजा की कॉपी, अंतरराष्ट्रीय यात्रा के टिकट की कॉपी, आय प्रमाणपत्र व निवास प्रमाणपत्र की कॉपी शामिल है।

इसके अलावा आधार कार्ड, हेल्थ फिटनेस प्रमाणपत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, निवास प्रमाण पत्र, आयु-प्रमाण पत्र की कॉपी भी उपलब्ध करानी होगी। इंटरनेशनल ड्राइविंग लाइसेंस को इंटरनेशनल ट्रैफिक कंट्रोल एसोसिएशन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भी बनवाया जा सकता है, लेकिन यहां इसके लिए 34 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 2,831 रुपये देने होंगे, जबकि दून के आरटीओ कार्यालय से इसे महज एक हजार रुपये में बनवाया जा सकता है।

बागेश्वर में खूनी गुलदार का आतंक, 13 बकरियों को बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर : उत्तराखंड के दूसरे हिस्सों की तरह बागेश्वर में भी गुलदार का आतंक चरम पर है। यहां गरुड़ क्षेत्र में गुलदार ने एक ग्रामीण की 13 बकरियों को मार डाला। अचानक हुई इस घटना से ग्रामीण और उसका पूरा परिवार गहरे सदमे में है। लाहुर घाटी में रहने वाले इस परिवार के लिए उसकी बकरियां ही आजीविका का एकमात्र सहारा थीं, लेकिन अब वह सहारा भी नहीं रहा।ग्रामीणों ने प्रभावित को मुआवजा देने की मांग की है।

लाहुर घाटी में गुलदार का आतंक बढ़ता जा रहा है। यहां लमचूला निवासी भवान राम पुत्र खीम राम बकरी पालन कर अपनी आजीविका चलाता है। बीते दिन भवान राम की बकरियां लमचूला के जंगल में चरने गई थी। तभी घात लगाए गुलदार ने उन पर हमला बोल दिया और 13 बकरियों को मौत के घाट उतार दिया। इस

घटना से भवान राम की आजीविका प्रभावित हो गई है। बकरियों की मौत के बाद ग्रामीण के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। गांव के लोगों ने बताया कि लाहुर घाटी में गुलदार का आतंक बढ़ता जा रहा है, लेकिन वन विभाग उनकी समस्या की तरफ ध्यान नहीं दे रहा। इस लापरवाही का खामियाजा अब गरीब पशुपालक को भुगतना पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रभावित परिवार को मुआवजा देने और पिंजड़ा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है।

उत्तराखंड : SBI में 8283 पदों पर निकली बंपर भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 19 नवंबर : बैंकिंग सेक्टर में जॉब का सपना देख रहे युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। एसबीआई ने क्लर्क के पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। कुल 8283 पदों पर भर्ती होनी है। इनमें से 3515 पद अनारक्षित हैं। जबकि 1284 पद एससी, 748 एसटी, 1919 ओबीसी और 817 ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आरक्षित हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 17 नवंबर 2023 से शुरू हो चुकी है। उत्तराखंड के लिए 215 पदों पर आवेदन मांगे गए हैं। अन्य राज्यों के लिए भी आवेदन किया जा सकता है, लेकिन नोटिफिकेशन के मुताबिक, उम्मीदवार केवल एक राज्य के लिए आवेदन कर सकते हैं। योग्यता भी नोट कर लें।अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या उच्च शिक्षा संस्थान से किसी भी विषय में ग्रेजुएट होना जरूरी है। आयु सीमा 20 साल से 28 साल तक होनी

चाहिए।आयु की गणना 1 अप्रैल 2023 से की जाएगी। सबसे पहले ऑनलाइन प्रारंभिक परीक्षा होगी। इसमें पास होने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन मुख्य परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा। मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले उम्मीदवारों को स्थानीय भाषा की परीक्षा से गुजरना होगा। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की तारीख 17 नवंबर-2023 है। लास्ट डेट 7 दिसंबर 2023 है। प्रारंभिक परीक्षा जनवरी 2024 में होगी। इच्छुक उम्मीदवार sbi.co.in पर जाकर 7 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

क्या है फाइब्रोमायल्जिया, किन वजहों से होती है यह समस्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 नवंबर : फिजिकली फिट न रहने, बहुत ज्यादा तनाव लेने और आराम न करने से हमारी बॉडी कई तरह की प्रॉब्लम्स का शिकार होते जाती है जिसमें से एक है फाइब्रोमायल्जिया। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को ये समस्या ज्यादा परेशान करती है। आज हम उसी के बारे में विस्तार से जानेंगे।

क्या है फाइब्रोमायल्जिया?

पूरे शरीर में, हड्डियों के साथ मांसपेशियों में दर्द रहना, सुबह के वक्त जोड़ों में अकड़न, नींद में कमी, मूड स्विंग और याददाश्त कम होने की समस्या अकसर परेशान कर रही है, तो यह फाइब्रोमायल्जिया हो सकता है। दर्द विशेषज्ञ चिकित्सक के परामर्श, व्यायाम, बेहतर नींद, व्यवहार चिकित्सा और दवाओं के साथ बेहतर परिणाम पा सकते हैं। दर्द दो प्रकार के होते है- एक्यूट या तीव्र और क्रोनिक। एक्यूट जो चोट लगने या ऑपरेशन के बाद ज्यादातर होता है। क्रोनिक वह दर्द होता है जो 3 महीने से ज्यादा आपको परेशान कर रहा है। तो फाइब्रोमायल्जिया का दर्द भी क्रोनिक ही है।

फाइब्रोमायल्जिया के लक्षण

- थकान महसूस होना- नींद सही तरीके से न होना, जिसकी वजह से दिनभर थकान का अनुभव होना।- हमेशा दर्द का एहसास होना।अन्य लक्षणसिरदर्द, डिप्रेशन, पेट दर्द या ऐंठन की समस्या।

फाइब्रोमायल्जिया की वजहें

1. स्ट्रेसतनाव का हमारी बॉडी पर बहुत ही निगेटिव प्रभाव पड़ता है। इससे हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं जो फाइब्रोमायल्जिया की एक वजह हो सकता है।

2. आनुवांशिकअगर आपकी फैमिली में कोई इस समस्या से पीड़ित है या हो चुका है तो काफी हद तक संभावना है कि ये आपको भी प्रभावित कर सकता है। हालांकि अभी पूरी तरह से ये साबित नहीं हुआ है।

3. चोट

फाइब्रोमायल्जिया के पीछे किसी तरह की शारीरिक या मानसिक चोट भी वजह हो सकती है।

बचाव एवं उपचार

इस परेशानी को रोका तो नहीं जा सकता लेकिन हां लाइफस्टाइल में कुछ जरूरी बदलावों के जरिए इसकी गंभीरता को कम जरूर किया जा सकता है। जैसे-

- सबसे पहले तो व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।- व्यायाम की थकान अच्छी नींद दिलाने में मदद करेगी।

गडकरी धामी का दावा, श्रमिकों की ज़िंदगी बचाएंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी , 20 नवंबर , केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने सिलक्यारा सुरंग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के चलाए जा रहे रेस्क्यू अभियान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश व दुनिया में उपलब्ध श्रेष्ठतम विशेषज्ञों का लाभ उठाकर सुरंग में फंसे लोगों को निकालने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने रेस्क्यू अभियान में जुटे संगठनों और अधिकारियों को अधिकतम तैयारी और आवश्यक संसाधनों का समय रहते मुकम्मल इंतजाम करने की हिदायत देते हुए कहा कि रेस्क्यू के हर विकल्प पर उच्च क्षमता व तत्परता के साथ काम किया जाय।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ सिलक्यारा का दौरा कर सुरंग के भीतर जाकर घटनास्थल का जायजा लिया और सुरंग परियोजना व रेस्क्यू अभियान में जुटे लोगों से इस हादसे व बचाव अभियान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सुरंग में फंसे श्रमिकों के परिजनों से भी मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि सरकार पूरी ताकत और शिद्दत से रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। रेस्क्यू अभियान में शुरूआती दौर में आई कठिनाईयों को देखते हुए अब हर संभव विकल्पों पर एक साथ काम शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की जान बचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, किसी भी बेहतर संभावना वाले विकल्प के लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े सरकार चुकाएगी। गडकरी एवं मुख्यमंत्री धामी ने परिजनों का आश्वस्त किया कि केन्द्र और राज्य सरकार श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए कोई भी कसर बाकी नहीं रहने देगी।

गडकरी ने रेस्क्यू में जुटे संगठनों व प्रशासन के अधिकारियों की बैठक लेकर रेस्क्यू अभियान की समीक्षा कर नए विकल्पों और संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि देश के साथ ही दुनियाभर में इस रेस्क्यू के लिए उपलब्ध उच्चतम दक्षता, अनुभव और संसाधनों का ब्यौरा तत्काल जुटाकर इस अभूतपूर्व चुनौती से निपटने के लिए जो भी उपयोगी समाधान नजर आए, उस पर फौरन अमल किया जाय। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की जान सबसे कीमती है और इस बचाने के लिए युद्धस्तर पर दिनरात चतुर्दिक प्रयास किए जांय। बैठक में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही सेना, आरवीएनएल, एसजेवीएनएल, ओएनजीसी, बीआरओ, टीएचडीसी सहित विभिन्न संगठनों के अधिकारियों ने भाग लिया।

धामी ने राज्य सरकार के अधिकारियों को

निर्देशित किया कि वह केन्द्रीय एजेसियों द्वारा संचालित रेस्क्यू अभियान में निरंतर इसी भांति सहयोग करें।

रेस्क्यू अभियान में राज्य सरकार के संसाधनों और संगठनों की जो भी आवश्यकता हो उसे तत्काल उपलब्ध कराया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरंग में फंसे श्रमिकों व उनके परिजनों का मनोबल बनाए रखने के लिए मनोचिकित्सक के माध्यम से काउंसिलिंग की व्यवस्था करने के साथ ही अधिकारी भी उनसे निरंतर संवाद कर उनकी जरूरतों को जानकर पूरा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के जो परिजन यहां आना चाह रहे हैं उनके आवागमन का व्यय उत्तराखंड सरकार वहन करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यहां आने वाले जरूरतमंद परिजनों के मोबाईल रिचार्ज से लेकर भोजन, आवास व आवागमन का व्यवस्था की जाय। इस व्यवस्था के समन्वय के लिए शासन स्तर पर एक अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस काम को पूरी संवेनदशीलता व तत्परता के साथ किया जाय।

संपादकीय

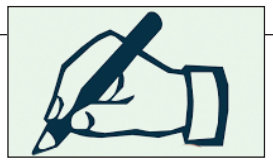

स्वच्छता से शिक्षा

विडंबना है कि जिस कार्य को सरकारों, स्थानीय प्रशासन व शिक्षा विभाग को प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए था, उसके लिये सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने पड़ रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि अमृतकाल में देश के सभी सरकारी स्कूलों में छात्राओं हेतु अलग शौचालय नहीं बने हैं। जिसकी वजह से मासिक धर्म के दौरान छात्राओं को शर्मनाक स्थिति झेलनी पड़ती है। उन दिनों में वे स्कूल नहीं जातीं। यहां तक कि बड़ी संख्या में छात्राएं स्कूल में अलग शौचालय न होने के कारण पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। गैर-उत्पादक कार्यों व लोकलुभावन कामों में पैसा पानी की तरह बहाने वाली राज्य सरकारें एक बेहद जरूरी कार्य की अनदेखी कर रही हैं। ये तंत्र की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कही जाएगी। इसके बावजूद कि कई अध्ययनों में निष्कर्ष सामने आया है कि स्कूलों में स्वच्छ और क्रियाशील शौचालयों की कमी का सीधा असर छात्राओं की पढ़ाई पर पड़ता है। वजह साफ है कि मुश्किल दिनों में छात्राएं स्कूल कम आती हैं। उपस्थिति कम होने तथा स्कूल छोड़ने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे तमाम उदाहरण सामने आए हैं जब छात्राएं शौचालय का उपयोग करने से बचने के लिये अपना भोजन, पानी व पेय पदार्थों का उपयोग सीमित कर देती हैं। दरअसल, हालात इतने खराब हैं कि वर्ष 2020 के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि चालीस प्रतिशत स्कूलों में या तो शौचालय थे ही नहीं, या फिर वे काम नहीं कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देश में केंद्र सरकार को स्वच्छता के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिये कहा गया है। साथ ही सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों व आवासीय स्कूलों में लड़कियों की संख्या के अनुरूप शौचालय बनाने हेतु राष्ट्रीय मॉडल तैयार करने को कहा गया है। इससे पहले भी कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में छात्राओं के लिये मासिक धर्म स्वच्छता योजना प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। साथ ही स्कूलों में सस्ते सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने तथा उपयोग किये गए पैडों के उचित निपटान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये उठाए गए कदमों पर विशेष जानकारी मांगी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा है कि सैनिटरी नैपकिन के वितरण के लिये व्यावहारिक परिपाटी बनाने के साथ ही तौर-तरीकों में एकरूपता लायी जाए। जिस पर केंद्र सरकार की दलील थी कि मासिक धर्म स्वच्छता पर राष्ट्रीय नीति का मसौदा हितधारकों की राय जानने के लिये भेजा गया है। विडंबना देखिए कि लगभग एक दशक पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में लड़कों-लड़कियों के लिये अलग शौचालय और नियमित पानी सुनिश्चित करने को कहा था। इसे शिक्षा का अधिकार अधिनियम का अभिन्न अंग बताया था। सर्वेक्षण बताते हैं कि स्कूलों में अलग शौचालय बनने के बाद छात्राओं की संख्या में खासा इजाफा हुआ था। ऐसे में कुशलता के साथ स्वच्छता सुनिश्चित कराना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। दरअसल, सवाल प्राथमिकताओं का है। धन की कमी का तर्क पाखंड का पर्याय ही है। अंतिम लक्ष्य स्वच्छ प्रथाओं को उन्नत कर छात्राओं की शैक्षिक भागीदारी बढ़ाना ही है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

अंडर-13 कृष्णा त्रिकोणीय क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 नवंबर। शनिवार को रुड़की रोड स्थित कृष्णा क्रिकेट एकेडमी में अंडर - 13 क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता पहला मैच कृष्णा क्रिकेट एकेडमी व जीएसआर क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर कृष्णा क्रिकेट एकेडमी की टीम ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। जीएसआर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर 8 विकेट खोकर 211 रन बनाए। जिसमे की सर्वाधिक एरोन चंद ने 64 रन व सौर्य मनोरी ने 37 रन बनाए। कृष्णा क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाज धैर्य बडोला व नीरज सिंह ने 4- 4 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए कृष्णा क्रिकेट एकेडमी की टीम 153 पर ऑल आउट हो गई । मैन ऑफ द मैच जीएसआर के एरोन चंद को चुना गया। इस दौरान क्रिकेट कोच मनेन्द्र रावत, कोच विकास कुमार, मौ. मुस्तकीम अली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कोटद्वार : मान्या ने रचा इतिहास, वर्ल्ड स्कॉलर्स प्रतियोगिता में जीते 8 मेडल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 20 नवंबर : प्रदेश की बेटी मान्या भाटिया ने एक बार फिर उत्तराखंड को गौरवान्वित किया है। मान्या ने वर्ल्ड स्कॉलर्स प्रतियोगिता में 8 मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। इनमें 6 गोल्ड मेडल व 2 सिल्वर मेडल शामिल हैं। मान्या भाटिया पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार की रहने वाली हैं। वर्ल्ड स्कॉलर्स प्रतियोगिता में मान्या ने शानदार प्रदर्शन किया और 8 मेडल अपने नाम किए। मान्या भाटिया की इस उपलब्धि पर उनके प्रशंसक काफी खुश हैं। मान्या का परिवार कोटद्वार के गोविंद नगर क्षेत्र में रहता है। विदेशी सरजमीं पर 6 सोने के तमगे व 2 चांदी के मेडल लेने के बाद जब मान्या अपने कोटद्वार स्थित आवास पर पहुंची तो उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।बता दें कि देहरादून वैंटेज हॉल गर्ल्स रेजिडेंशियल स्कूल की छह लड़कियों ने येल यूनिवर्सिटी, यूएसए में

टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस (वर्ल्ड स्कॉलर कप) में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में कोटद्वार निवासी मान्या भाटिया ने छह स्वर्ण और दो सिल्वर पदक जीते। मान्या भाटिया ने इसी वर्ष जून महीने में वर्ल्ड स्कॉलर कप ग्लोबल राउंड प्रतियोगिता में भाग लिया था। जिसमें मान्या भाटिया छह मेडल जीतकर येल यूनिवर्सिटी यूएस के अगले राउंड के लिए चुनी गईं।मान्या भाटिया की इस सफलता पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विगत माह उन्हें अपने आवास पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी थी। इस दौरान मान्या के पिता गौरव भाटिया और उनकी माता वंदिता भाटिया भी उनके साथ थीं। वर्ल्ड स्कॉलर्स प्रतियोगिता का आयोजन यूएसए में 2 नवम्बर से 4 नवम्बर के बीच हुआ। जिसमें भाषण, वाद-विवाद, लेखन, भारतीय संस्कृति, वैश्विक मुद्दों व अन्य विषयों को लेकर अलग-अलग राउंड हुए। प्रतियोगिता में मान्या भाटिया ने 8 मेडल जीते। राज्य समीक्षा टीम की ओर से मान्या भाटिया और उनके परिवार को शुभकामनाएं।

केदानाथ धाम में पहुंचे सबसे ज्यादा तीर्थ यात्री, शीतकाल में यहां होंगे दर्शन

देहरादून। गंगोत्री-यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही चार धाम यात्रा का भी समापन हो गया है। कपाट बंद होने के बाद अब तीर्थ यात्री अब चारों धामों के शीतकालीन प्रवास में भगवान के दर्शन कर पाएंगे। इस साल 2023 में चार धाम में रिकार्ड 54 लाख तीर्थ यात्रियों ने दर्शन किए। जबकि पिछले साथ चारों धामों के दर्शन करने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या 45 लाख के करीब थी। शनिवार को बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही शीतकाल के लिए चारधाम यात्रा बंद हो गई है। इससे पहले केदारनाथ और यमुनोत्री धाम के कपाट 15 नवंबर को बंद हुए थे, जबकि गंगोत्री धाम के कपाट 14 नवंबर को तीर्थ यात्रियों के लिए बंद कर दिए गए थे। कमिश्नर कार्यालय के चारधाम कंट्रोल रूम के आंकड़ों के अनुसार इस साल चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों की कुल संख्या 54 लाख के करीब थी। इसमें सबसे अधिक 1961025 लाख से अधिक तीर्थ यात्री केदारनाथ धाम पहुंचे। बदरीनाथ धाम के दर्शनों के लिए 1835132 लाख से अधिक तीर्थ यात्री पहुंचे। गंगोत्री में 905174 जबकि यमुनोत्री में 735244 तीर्थ यात्रियों ने दर्शन किए। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस साल पिछले साल की तुलना में चारधाम में तकरीबन नौ लाख तीर्थ यात्री अधिक पहुंचे।

शीतकाल में पूजा पांडुकेश्वर में होगी बदरीनाथ। शीतकाल के लिए भगवान बदरी विशाल के कपाट शनिवार को पूजा-अर्चना और विधि विधान के साथ बंद हो गये हैं। अब भगवान बदरी विशाल की पूजा मानवों द्वारा योग-ध्यान बदरी मंदिर पांडुकेश्वर में और कुबेर जी की पूजा दर्शन कुबेर मंदिर पांडुकेश्वर में होगी।

बदरीनाथ के वेद पाठी रवीन्द्र भट्ट, जगबीर मेहता, अजीत मेहता ने बताया कि शीतकाल के लिए भगवान बदरी विशाल के कपाट बंद होने पर भगवान बदरी विशाल के रूप में उद्धव जी की डोली पांडुकेश्वर लायी जाती है।

केदारनाथ-बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री के शीतकाल में यहां दर्शन

भगवान केदारानाथ और यमुनोत्री मंदिर के कपाट 15 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। कपाट बंद होने के बाद केदारनाथ की उत्सव डोली ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए रवाना हो गई थी। अब शीतकाल में यहीं पर भगवान केदारनाथ के दर्शन होंगे। उधर, मां यमुना की डोली भी अपने शीतकालीन गद्दी स्थल खुशीमठ खरसाली के लिए रवाना हुई थी। जबकि, मां गंगा के दर्शन के अब मुखबा में होगे। शीतकाल में मां यमुना के दर्शन खुशीमठ में होंगे। विश्व प्रसिद्ध भगवान केदारनाथ मंदिर के कपाट भैया दूज के पवित्र मौके पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए थे।

जयंती पर कांग्रेसियों ने स्व. इंदिरा गांधी को किया याद

देहरादून। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर देहरादून स्थित कांग्रेस भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी जी अद्भुत व्यक्तित्व वाली नेत्री थीं। उनके विचारों की आज भी जरूरत है। देश के लिए किए गए उनके कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

गोगी ने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में बाल्यकाल से ही सक्रिय रूप से भाग लिया। आजादी के आंदोलन के दौरान उनके द्वारा बाल चरखा संघ और वानर सेना का गठन किया गया। स्वतंत्र भारत की वे चार बार प्रधानमंत्री रहीं और इस दौरान उन्होंने समाज के वंचित और गरीब तबके को भारत की आर्थिक और सामाजिक नीतियों के केंद्र में रखा। आम जनता के हित के लिए 1969 में उन्होंने साहसिक कदम उठाते हुए बैंकों का राष्ट्रीयकरण भी किया। भारत को परमाणु शक्ति बनाने का कार्य भी 1974 में उनके ही नेतृत्व में किया गया।

उन्होंने कहा कि इंदिराजी ने केवल इतिहास ही नहीं बनाया, बल्कि 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में उनके नेतृत्व में भारतीय उपमहाद्वीप का भूगोल ही बदल दिया। जब पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बांग्लादेश का निर्माण किया गया। स्वतंत्रता आन्दोलन में तथा आर्थिक, सामाजिक, और सामरिक सभी क्षेत्रों में इंदिरा जी के नेतृत्व को कृतज्ञ राष्ट्र और कांग्रेस जन याद करते हैं।

इस अवसर पर उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्ण सिंह रावत, प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, राजकुमार जयसवाल, मनमोहन शर्मा, अभिषेक तिवारी, जगदीश धीमान, अरुण बलूनी, राजेश पुंडीर, राजेश उनियाल, मुकीम अहमद, मोहम्मद शाहिद, डॉ. अरुण रतूड़ी, टिंकल अरोड़ा, अशोक, मंजू त्रिपाठी, पूनम कंडारी, सविता वर्मा, अल्ताफ अहमद, रिपु दमन, हेमंत, अवधेश, शुभम सैनी, वीरेंद्र पवार, शकील मंसूरी, मनीष गर्ग, अर्जुन पासी, हेमराज सिंह, वकार अहमद, मनीष कुमार, संदीप सिंह, रईस, शिवम, एसबी थापा, सत्येंद्र पंवार आदि उपस्थित थे।

महारानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर किया उनका भावपूर्ण स्मरण

विकासनगर। सामाजिक सरोकारों को समर्पित लोक पंचायत महिला विंग ने महारानी लक्ष्मीबाई जयंती के अवसर पर महारानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण किया गया। साथ ही महिलाओं को आत्म सम्मान के साथ खड़े होने का संकल्प लिया गया। लोक पंचायत कार्यालय जीवनगढ में आयोजित कार्यक्रम में लोक पंचायत महिला विंग की ओर से आयोजित कार्यक्रम की संयोजक डॉ राजकुमारी चौहान ने कहा है की महारानी लक्ष्मी बाई ने देश और धर्म की रक्षा के लिए स्वयं को मातृभूमि के बलिवेदी पर समर्पित कर दिया था। कहा है कि महिलाओं को आत्म सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। समाज में धीरे-धीरे महिलाओं की स्वीकार्यता बढ़ रही है। कहा कि महिलाएं अपने विवेकशीलता के साथ देश के हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है।राजकुमारी ने नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए भी युवाओं का आहवान किया। लोक पंचायत महिला विंग की डॉ. पूजा राठौर ने युवतियों से अपील करते हुए कहा है कि अपने लक्ष्य का निर्धारण कर उसकी ओर आगे बढना चाहिए। युवा अवस्था में भटकांव के अनेक रास्ते सामने आते हैं उसे पार करते हुए आत्मनिर्भरता के साथ खड़े होने की आवश्यकता है। लोक पंचायत की शिल्पा राय ने कहा कि विकासनगर क्षेत्र में बढ़ रही लव जिहाद की घटनाएं चिंताजनक है। इसके लिए स्वयं के जागरूकता के साथ-साथ अन्य लोगों को भी जागरूक करना होगा ताकि हम एक स्वस्थ समाज की स्थापना कर सके। इस अवसर पर लोक पंचायत महिला विंग की सक्रिय कार्यकर्ता नीतू चौहान, बिंद्रा चौहान, संगीता त्यागी एवं मनीषा आदि मौजूद रहीं।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर प्रभात फेरी निकाली

विकासनगर। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर की ओर से पहली पहली प्रभात फेरी निकाली गई। गुरुद्वारा में गुरुवाणी का पाठ कर शबद कीर्तन किए गए। सुबह पांच बजे राजा रोड स्थित गुरुद्वारा से शुरू होकर मुख्य बाजार पहुंची। प्रभात फेरी में शामिल संगत 'कर तारण गुरु नानक आय... का गायन करते हुए चल रहे थे। शबद कीर्तन के दौरान गुरु महिमा का वर्णन करते हुए सरदार नागपाल सिंह ने बताया कि गुरु नानक देव जी जहां भी गए उन्होंने सदैव बराबरी की बात की। उनका मानना था कि समाज को धर्म जाति और लिंग जैसे किसी भी बिंदुओं के आधार पर बांटना नहीं चाहिए- इसी को लेकर कहा जाता है 'नानक नाम चढ़दी कला तेरे भाने सरबत दा भला... बताया कि प्रथम गुरु ने एक ओंकार का नारा दिया था। इसका मतलब होता है कि पृथ्वी के सभी प्राणियों का ईश्वर एक है और वही सच है, वही सब को बनाने वाला है। गुरु नानक जी का कहना था कि हमें जीवन में किसी भी विलासिता की चीज के पीछे नहीं भागना चाहिए, सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। ऐसा करने से लड़ाई झगड़े खुद ही समाप्त हो जाते हैं। बताया कि गुरु जी ने मानव सेवा को ही सबसे बड़ी सेवा माना। हमें जीवन में एक ही मौका मिलता है जब हम जरूरतमंदों की मदद कर सकें। किसी की मदद करके हमें एक अलग संतुष्टि और शांति प्राप्त होती है। लिहाजा सदैव दूसरों की सेवा करनी चाहिए।

युगल से लूटपाट में फरार तीसरा आरोपी भी दबोचा

हरिद्वार। नमामि गंगे घाट पर प्रेमी युगल पर हमला कर लूटपाट की वारदात को अंजाम देने के आरोप में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को भी श्यामपुर पुलिस ने दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से लूटी गई रकम के शेष पांच हजार रुपये, मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है। पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 नवंबर को नमामि गंगे घाट के पास काली माता मंदिर के पीछे एक गंगा घाट पर मौजूद युवक रॉनी माटा निवासी शिवालिक नगर और उसकी महिला मित्र के साथ मारपीट कर नकदी, मोबाइल फोन समेत अन्य सामान लूट लिया गया था। वारदात को अंजाम देकर तीनों आरोपी फरार हो गए थे। पीड़ित युवक के भाई केसर माटा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। बताया कि 15 नवंबर को हाईवे पर चेकिंग के दौरान दो आरोपी भीम और शेखर दोनों निवासी चंडीघाट झुग्गी बस्ती को गिरफ्तार कर लिया था। उनके कब्जे से लूटी गई रकम में से 65 हजार की नकदी बरामद हुई थी। एसओ ने बताया कि फरार चल रहे तीसरे आरोपी रोहित, निवासी ग्राम गाजीवाली थाना श्यामपुर को चंडी भवन तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के कब्जे से लूटी गई रकम के शेष पांच हजार रुपये, मोबाइल फोन, आधार कार्ड बरामद कर लिया गया।

आबादी क्षेत्र में कुष्ठ आश्रम के विरोध में क्रमिक अनशन शुरू

हरिद्वार। आबादी के बीच कुष्ठ आश्रम बनाये जाने के विरोध में नवोदय नगर संघर्ष समिति ने अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन शुरू कर दिया। क्षेत्रीय पार्षद सिंहपाल सिंह सैनी ने कहा कि यदि प्रशासन ने उनकी मांग को नहीं माना तो एक सप्ताह बाद क्रमिक अनशन आमरण अनशन में तब्दील हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि कुष्ठ आश्रम को आबादी क्षेत्र से दूर बनाया जाए। नवोदय नगर और उसके आसपास की आवासीय कालोनी के निवासी क्षेत्र में बनाए जा रहे कुष्ठ आश्रम का लम्बे समय से विरोध कर रहे हैं। कुष्ठ आश्रम को नवोदय नगर क्षेत्र में न बनाये जाने की मांग को लेकर क्षेत्रीय निवासी धरना दे चुके हैं। पूर्व में एसडीएम के आश्वासन के बाद क्षेत्रीय लोगों ने अपने धरने को समाप्त कर दिया था। अपने इस संघर्ष को जारी रखने के लिए नवोदय संघर्ष समिति का गठन भी कर लिया गया था। रविवार को नवोदय नगर संघर्ष समिति के बैनर तले नवोदय नगर और उसके आसपास के क्षेत्र के लोगों ने क्रमिक अनशन शुरू कर दिया। क्षेत्रीय पार्षद सिंहपाल सिंह सैनी ने कहा कि हम कुष्ठ रोगियों के लिए बनने वाले आश्रम के पक्ष में हैं। लेकिन यह आश्रम आबादी क्षेत्र से दूर पेड़ पौधों वाले क्षेत्र में बनाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

स्वामी यतीश्वरानंद ने किया जिपं योजना से बननी वाली सडक़ निर्माण का शुभारंभ

हरिद्वार। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने जिला पंचायत की योजना से बननी वाली सडक़ निर्माण का शुभारंभ करते हुए कहा कि सडक़ों के साथ अन्य मूलभूत सुविधाओं के कार्य तेजी से चल रहे हैं। रविवार को पूर्व मंत्री ने कहा कि सजनपुर बाहर पीली में जिला पंचायत सदस्य बृजमोहन पोखरियाल के प्रस्ताव पर मुख्य मार्ग से लेकर गांव के अंदर तक की सडक़ों के निर्माण कार्य का शुभारंभ नारियल फोडक़र किया। उन्होंने कहा कि लालढांग क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर हो रहे हैं। क्षेत्र में शिक्षा के लिए उच्च शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नए स्वास्थ्य केंद्र, शुद्ध जल के लिए ओवरहेड टैंक स्थापित करवाकर घर-घर तक पानी का कनेक्शन, सडक़ों का जाल बनाने का काम तेजी से हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के निवारण के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, ग्राम प्रधान सजनपुर सुनील कुमार, श्यामपुर के प्रधान योगेश चौहान, गाजीवाली प्रधान देवेंद्र नेगी, मंडल अध्यक्ष सीमा चौहान, युवा अध्यक्ष पवन पंत, श्रेष्ठ कुमार चौहान, यादराम सैनी, यशपाल रावत, बबली सैनी, रणवीर सिंह चौहान आदि शामिल रहे।

सट्टे की खाईबाड़ी करते दो आरोपी पकड़े

हरिद्वार। पुलिस ने अलग-अलग इलाकों से सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सट्टा पर्ची और नकदी बरामद हुई है। रानीपुर कोतवाली प्रभारी नरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि शिवलोक कालोनी जाने वाले रास्ते से आरोपी आशीष पटेल निवासी खंजा अहमदपुर चंदेना कोली आहत थाना देवबंद सहारनपुर हाल टिबड़ी को सट्टेबाजी करते हुए 1590 की नकदी, सट्टा पर्ची के साथ गिरफ्तार किया गया। दूसरी तरफ श्यामपुर एसओ नितेश शर्मा ने बताया कि लालढांग क्षेत्र में घर के बाहर सट्टेबाजी करते हुए गुड्डू निवासी मोहल्लापुरी को 1060 की नकदी, डायरी के साथ पकड़ा है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

हरिद्वार। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने अलग-अलग कार्यक्रम कर श्रद्धांजलि अर्पित की। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी के नेतृत्व में सुभाष घाट स्थित कांग्रेस के कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया। महानगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष लता जोशी के संचालन में मयापुर स्थित यूनियन भवन में गोष्ठी का आयोजन किया गया। पूर्व महानगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल के कार्यालय पर भी इस अवसर गोष्ठी का आयोजन किया गया। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी और कार्यकारी अध्यक्ष अमन गर्ग, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुरली मनोहर और वरिष्ठ नेता ओपी चौहान ने कहा कि इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर पब्लिक सेक्टर को मजबूती प्रदान की और भारत को आर्थिक रूप से मजबूत करने का कार्य किया। वरिष्ठ नेता राजबीर सिंह और ब्लॉक अध्यक्ष अमित नौटियाल ने कहा कि इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश बनाकर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप सीपी सिंह, पूर्व सभासद अशोक शर्मा, रिषभ वशिष्ठ, शुभम जोशी, वरुण बालियान आदि उपस्थित रहे। यूनियन भवन में महानगर महिला कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे मेयर अनिता शर्मा ने भाग लिया और कार्यक्रम की अध्यक्षता बीना कपूर ने की। मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. संतोष चौहान ने कहा कि इंदिरा गांधी दृढ़ निश्चय, दूर दृष्टि, आकर्षक व्यक्तित्व की धनी फौलादी महिला थी। मेयर अनिता शर्मा ने इंदिरा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें एक कुशल राजनेता बताया, जिनका देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान रहा। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष अंजू मिश्रा, महानगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष लता जोशी, प्रदेश सचिव शशि झा, प्रदेश महामंत्री नलिनी दीक्षित , कविता वशिष्ठ, मीरा, विजय जोशी, सुमन अग्रवाल, सुभद्रा आर्य, प्रतिभा शर्मा, सुनीता,रचना शर्मा आदि मौजूद रही। पूर्व महानगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल के कार्यालय पर हुई गोष्ठी में प्रदेश महासचिव डा संजय पालीवाल ने कहा कि हम इंदिरा गांधी के बताऐ रास्ते पर चलें यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पूर्व महानगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल और पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी लगातार 15 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहकर विश्व में आयरन लेडी के रूप में मशहूर हुईं। इस दौरान प्रदेश महासचिव अनिल भास्कर, पूर्व महिला जिलाध्यक्ष बिमला पांडे, पूर्व युवा जिलाध्यक्ष रवीश भटीजा, मनोज सैनी, शुभम अग्रवाल, ललित वालिया, आकाश बिरला, महिला नेत्री सपना सिंह, रचित अग्रवाल, पार्षद मेहरबान खान, अल्पसंख्यक के जिलाध्यक्ष शाहनवाज कुरैशी, ओबीसी के महानगर अध्यक्ष राजेंद्र श्रीवास्तव, कार्तिक शर्मा, नवेज अंसारी आदि उपस्थित रहे।

आंदोलन जारी रखने का निर्णय

कोटद्वार। राजकीय शिक्षक संघ की विकास खंड दुगड्डा शाखा के शिक्षकों की बैठक में विभिन्न मांगों को लेकर चलाये जा रहे आंदोलन को जारी रखने का फैसला लिया गया। इस संबध में संगठन कार्यालय में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आंदोलन के अंतर्गत प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर विकासखंड दुगड्डा के विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाचार्य अपने प्रभारी प्रधानाचार्य दायित्व से मुक्त होकर कार्य कर रहे हैं। चेतावनी दी कि सरकार द्वारा संघ की मांगों को न मानने पर आंदोलन को तेज किया जायेगा। बैठक में मुकेश रावत, युगजीत सेमवाल, बीआर भारद्वाज, मनमोहन सिंह चौहान, संजय रावत, रमाकांत कुकरेती, किशोर बिडालिया, प्रदीप बिष्ट, अखिलेश नेगी और देवेंद्र रावत सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

सामाजिक शोध कार्य में सांख्यिकी की उपयोगिता महत्वपूर्ण : डा. राजीव

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग में चार दिवसीय व्याख्यानमाला का समापन हुआ। इस मौके पर वक्ताओं ने शोध कार्यों में होने वाली सांख्यिकी की उपयोगिता पर व्याख्यान प्रस्तुत किये। गढ़वाल विवि के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में बतौर मुख्य वक्ता पटना विश्वविद्यालय बिहार के सांख्यिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. राजीव कुमार ने कहा कि सामाजिक शोध कार्य में सांख्यिकी की उपयोगिता बहुत महत्वपूर्ण है। शोध परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए सांख्यिकी का ज्ञान आवश्यक होता है। इसलिए जरूरत है कि शोधार्थी शोध में सांख्यिकी के समुचित उपयोग बारे जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने शोध छात्रों से शोध में सांख्यिकी की टैक्नीक्स को सही ढंग से उपयोग में लाने की बात कही। इस मौके पर समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. किरन डंगवाल ने कहा कि ये व्याख्यानमाला विशेष रूप से स्नातकोत्तर व मानविकी में शोध कर रहे छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर गढ़वाल विवि समाजकार्य विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो. जेपी भट्ट ने चार दिनों तक चली व्याख्यानमाला की रूपरेखा रखी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए समाजशास्त्र विभाग की डा. ऋतु मिश्रा ने कहा कि समय-समय पर छात्रों के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजन होना लाभप्रद